नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

स्थापित 2005 ई.

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.............................. . दिनांक : 13.09.2021

प्रकाशनार्थ

यतीन्द्रनाथ बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के हरावल नायक के रुप में भारतीय इतिहास में अमर रहेंगे। उन्होनें भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन को एक नई दिशा देते हुए भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। भारत के महान क्रांतिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने बरतानिया हुकूमत की चूले हिला दी थीं। क्रांतिकारियों द्वारा भारत को स्वतंत्र कराए जाने वाले प्रयासों में उनकी उत्साही सहभागिता को देखते हुए अंग्रेजो नें उन्हें कई बार गिरफ्तार कर जेल में डाला। जेल में रहते हुए यतीन्द्रनाथ बोस नें अंग्रेज कैदियों तथा भारतीय कैदियों के साथ किए जाने वाले व्यवहारों तथा जेल में मिलने वाली सुविधाओं में पक्षपात को देखते हुए आमरण अनशन प्रारम्भ किया। 63 दिनों तक लगातार वे अनशन पर बैठे रहे। इस दौरान भी कई बार उन्हें अंग्रेज पुलिसकर्मियों की बर्बरता का शिकार होना पड़ा। अंततः आज ही के दिन अर्थात 13 सितम्बर, 1929 को लाहौर जेल में इनकी मृत्यु हो गई। आज भले ही वो हमारे बीच नहीं है, किन्तु उनकी कीर्ति एवं उनका जीवन चरित्र भारत के युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय में यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में महाविद्यालय की ओर से यतीन्द्रनाथ बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए **श्री रमाकान्त दूबे** ने कही। इस अवसर पर महाविद्यालय में एन.सी.सी. की 45वीं बटालियन द्वारा 29 नये कैडेट्स के चयन की प्रक्रिया भी पूरी की गई। इस अवसर पर चयन प्रक्रिया को सम्पन्न कराने हेतु 45वीं यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन के सूबेदार **एन.सी. ठाकुरी**, हवलदार **भूपत खावस** और **मित्र सिंह थापा** नें महाविद्यालय में सक्रिय भूमिका निभाई। चयन प्रक्रिया के दौरान कुल 29 नए कैडेट्स का चुनाव किया गया।

एन.सी.सी. के कैडेट के रूप में चयन हेतु महाविद्यालय में नव प्रवेशित स्नातक प्रथम वर्ष के 103 विद्यार्थियों ने अपना नामांकन करवाया था। नामांकित विद्यार्थियों की संख्या और महाविद्यालय में एन.सी.सी. के कैडेट्स की स्वीकृत संख्या में एक बड़ा अन्तर होने के कारण विद्यार्थियों को चयन हेतु विभिन्न प्रकार

की कठिन प्रतिस्पर्धाओं से होकर गुजरना पड़ा, जिसमें शारीरिक प्रतिस्पर्धा के साथ–साथ बौद्धिक एवं सामान्य ज्ञान प्रतिस्पर्धा भी शामिल रहा।

यह पूरी चयन प्रक्रिया महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रमाकान्त दूबे के निर्देशन में आयोजित एवं संपादित किया गया। इस अवसर पर श्री रमाकान्त दूबे ने चयनित कैडेट्स को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्द्धन किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में **'शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र'** विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया व्याख्यान में वक्ता के रूप में डी. ए.वी.पी.जी. कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. विनोद कुमार गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में शिक्षा मनोविज्ञान की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनोविज्ञान का आधार मानव व्यवहार है, मनोविज्ञान शिक्षा को आधार प्रदान करता है। इस अवसर पर उन्होंने भारत में शिक्षा मनोविज्ञान के विकास की विस्तृत चर्चा की तथा शिक्षा मनोविज्ञान की शाखाओं एवं शिक्षण विधियों के बारे में भी बताया।

व्याख्यान में बी.ए. द्वितीय वर्ष के 25 विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रवक्ता **श्रीमती साधना सिंह** ने एवं संयोजन **श्रीमती पुष्पा निषाद** ने किया।

SKmishra

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी